भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2865
10 मार्च, 2026 को उत्तर के लिए

समुद्री खाद्य निर्यात

2865. कु. सुधा आर.:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत के समुद्री खाद्य निर्यात में वृद्धि हुई है, यदि हां, तो पिछले पांच वर्षों के दौरान निर्यात में बाजार हिस्सेदारी का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान अमेरिका और अन्य प्रमुख बाजारों को समुद्री खाद्य निर्यात के परिमाण और उनके मूल्य का ब्यौरा क्या है;

(ग) तमिलनाडु के समुद्री खाद्य क्षेत्र, जहां झींगा पालन और निर्यात आजीविका में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, पर पड़ने वाले प्रभाव का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में झींगा उद्योग के लिए निर्यात परिमाण में गिरावट और राजस्व में कमी के व्यापक जोखिमों का आकलन किया है और सरकार द्वारा प्रभावित हितधारकों को सहायता देने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह

(क) और (ख) भारत से सीफूड निर्यात, मूल्य की दृष्टि से 2020-21 में 43,720.98 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024-25 में 62,408.45 करोड़ रुपए हो गया है, जो इस अवधि में लगभग 42.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसी तरह, निर्यात मात्रा 2020-21 में 11.49 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 2024-25 में 16.98 लाख मीट्रिक टन हो गया है, जो लगभग 47.8 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। अमेरिका को सीफूड का निर्यात मूल्य में 2020-21 के 17,990.40 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024-25 में 22,722.69 करोड़ रुपए और मात्रा में 2020-21 के 2.91 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 2024-25 में 3.46 लाख मीट्रिक टन हो गया है। विगत पांच वर्षों के सीफूड निर्यात का विवरण, राज्यवार और बाजारवार, क्रमशः अनुबंध I और अनुबंध II में दिया गया है।

(ग) तमिलनाडु का सीफूड क्षेत्र राज्य की तटीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जहाँ श्रिम्प फार्मिंग और निर्यात रोजगार और आय सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, और बड़ी संख्या में तटीय परिवार अपनी आजीविका के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जलकृषि, प्रसंस्करण और निर्यात संबंधित गतिविधियों पर निर्भर हैं। 2024-25 के दौरान, तमिलनाडु ने 1,07,659 मीट्रिक टन समुद्री उत्पादों का निर्यात किया, जिसका मूल्य 5,744.56 करोड़ रुपए था। 2025-26 (अप्रैल से जनवरी, प्रोविशनल) के दौरान, तमिलनाडु ने 1,25,332 मीट्रिक टन समुद्री उत्पादों का निर्यात किया, जिसका मूल्य 6,323.79 करोड़ रुपए था, जबकि 2024-25 में 1,07,659 मीट्रिक टन समुद्री उत्पादों का निर्यात किया गया था, जिसका मूल्य 5,744.56 करोड़ रुपए था। यह वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद राज्य में समुद्री खाद्य क्षेत्र की निरंतर वृद्धि और रेसिलिएंस को दर्शाता है।

(घ) सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग में उतार-चढ़ाव, मूल्य अस्थिरता और बढ़ती इनपुट लागत के कारण श्रिम्प निर्यात क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों से अवगत है। आयातक देशों द्वारा लगाए गए जियोपॉलिटिकल बदलावों और टैरिफ तथा नॉन-टैरिफ बैरियर के बावजूद, भारत का श्रिम्प निर्यात अप्रैल-जनवरी 2025-26 के दौरान मात्रा और मूल्य दोनों में 2024-25 की संबंधित अवधि की तुलना में बढ़ा है। इससे श्रिम्प निर्यात में निरंतर सकारात्मक वृद्धि का संकेत मिलता है। विगत दो वर्षों और अप्रैल–जनवरी 2025–26 के दौरान फ्रोजन श्रिम्प के निर्यात का विवरण नीचे दिया गया है::

मद		**2023-24**	**2024-25**	**2025-26* (अप्रैल-जनवरी)**	**2024-25 (अप्रैल-जनवरी)**
फ्रोजन श्रिम्प	क्यू	716004	741529	659600	622182
	वी	40013.54	43334.25	41018.30	36029.38

***प्रोविशनल (स्रोत: MPEDA)**

सीफूड निर्यात की वृद्धि को बनाए रखने और सहायता प्रदान करने के लिए, मत्स्यपालन विभाग भारत सरकार ने हितधारक परामर्शों और रणनीतियों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप द्वीप समूह में इन्वेस्टर्स मीट, कोस्टल स्टेट्स फिशरीज़ मीट, इनलैंड फिशरीज एंड एक्वाकल्चर मीट, सीफूड एक्सपोर्टर्स मीट और "इंडियाज़ ब्लू ट्रांसफॉर्मेशन: स्ट्रेंथनिंग वैल्यू एडिशन इन सीफूड एक्सपोर्ट्स" विषय पर विश्व मात्स्यिकी दिवस (वर्ल्ड फिशेरीस डे) समारोह शामिल है। सीफ़ूड निर्यात संवर्धन पर 39 देशों के राजदूतों और उच्चायुक्तों के साथ एक गोलमेज सम्मेलन भी आयोजित किया गया था ताकि कूटनीतिक संलग्नता को मजबूत किया जा सके, सतत (सस्टेनेबल) मात्स्यिकी में सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके, व्यापार संबंधों को बढ़ाया जा सके और मात्स्यिकी और जलकृषि में प्रौद्योगिकियों और उभरते क्षेत्रों को आगे बढ़ाया जा सके। सरकार सीफ़ूड निर्यात को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख आयातकों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी आयोजित करती है। भारत के सीफ़ूड क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करने के लिए, सरकार नियमों में संशोधन करके, आयात को सुव्यवस्थित करके, और प्रमुख एक्वाफीड सामग्री, एक्वाकल्चर इनपुट्स और मत्स्य प्रसंस्करण सामग्री पर आयात शुल्क कम करके व्यापार में सुगमता को सुविधाजनक बना रही है। इसके अतिरिक्त, सीफूड निर्यात श्रृखंला में मूल्य-वर्धित उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने हाल के बजट में सीफूड प्रसंस्करण में उपयोग होने वाले निर्दिष्ट इनपुट्स की ड्यूटी फ्री इम्पोर्ट को विगत वर्ष के FOB निर्यात मूल्य के 1% से बढ़ाकर 3% तक कर दिया है। सतता (सस्टेनेबिलिटी) के प्रयासों में, मत्स्यपालन विभाग भारत सरकार ट्रॉल नेट में टर्टल एक्सक्लूडर डिवाइस (TEDs) की स्थापना को बढ़ावा दे रहा है, मरीन मैमल्स प्रोजेक्ट को सहायता प्रदान कर रहा है, एंटीबायोटिक अवशेष नियंत्रणों को मजबूत कर रहा है, और एक व्यापक ट्रेसबिलिटी फ्रेमवर्क लॉन्च कर रहा है। इसके अतिरिक्त, अंडमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप द्वीप समूहों में उच्च मूल्य, निर्यात-उन्मुख मात्स्यिकी को बढ़ावा देने के लिए अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईज़ेड) में मात्स्यिकी के सतत दोहन नियम, 2025, अधिसूचित किया गया है।

मत्स्यपालन विभाग भारत सरकार की एक प्रमुख योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY), तथा फिशरीस एंड एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (FIDF) के माध्यम से जलकृषि के विस्तार, प्रौद्योगिकी के समावेशन, रोग प्रबंधन, आधुनिक पोस्ट-हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, और मत्स्य् प्रसंस्करण सुविधाओं के विकास के लिए सहायता प्रदान की जाती है, ताकि उत्पादन, उत्पादकता और मूल्य संवर्धन को बढ़ाया जा सके। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भारत सरकार, ने सीफूड के निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए एक समर्पित एजेंसी के रूप में मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (MPEDA) की स्थापना की है। MPEDA ब्रांड प्रमोशन, निर्यातक पंजीकरण और आयातक संपर्क के माध्यम से भारतीय मात्स्यिकी उत्पादों को बढ़ावा देता है। यह प्रशिक्षण, जागरूकता अभियान, कार्यशालाओं और चिंतन शिविरों के माध्यम से उद्योग क्षमता को बढ़ाता है। नए बाजारों का पता लगाने के लिए, MPEDA इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में भाग लेता है, बायर-सेलर मीट (BSMs) और रिवर्स बायर-सेलर मीट (RBSMs) आयोजित करता है, और विदेशों में भारतीय मिशन के साथ सहयोग करता है। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, वाणिज्य विभाग के एक्सपोर्ट इंस्पेक्शन काउंसिल (EIC) मूल्य श्रृंखला (वेल्यू चेन) में संबंधित हितधारकों के लिए समय-समय पर जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

****

अनुबंध।

समुद्री खाद्य निर्यात के संबंध में 10 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के सिए माननीय सांसद सुश्री कु. सुधा आर द्वारा पूछे गए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या के भाग (क और ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

समुद्री उत्पादों का राज्यवार निर्यात						
क्यू: मात्रा टन में, वी: मूल्य करोड़ रुपए में						
राज्य	**यूनिट्स**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
गुजरात	क्यू	203917	200099	248863	284088	282158
	वी	4188.5	4421.1	5466.9	5511.4	5889.3
महाराष्ट्र	क्यू	110822	193999	214167	222453	227866
	वी	3684.9	7303.9	7466.5	6923.3	7343.4
गोवा	क्यू	16549	36057	63333	55167	45469
	वी	435.25	730.64	1007.6	934.2	788.81
कर्नाटक	क्यू	121348	120427	312347	301183	242143
	वी	1689.1	1962.2	4737.2	4785.1	3440.6
केरल	क्यू	157698	182430	218629	196807	179660
	वी	5623.1	6971.6	8285	7231.8	6941.4
तमिलनाडु	क्यू	110023	114810	123157	134317	130315
	वी	5565.5	6559.6	6957.7	6854.2	7034.6
आंध्र प्रदेश	क्यू	279992	324904	328160	347927	366182
	वी	15832	20035	19847	19420	21246
तेलंगाना	क्यू	0	3102	6676	11758	11772
	वी	0	156.91	358.39	565.1	615.42
ओडिशा	क्यू	60718	86765	85308	84231	92169
	वी	3107.7	4627.9	4546.5	3954.6	4668
पश्चिम बंगाल	क्यू	88443	103398	125025	132318	114529
	वी	3595.1	4742.5	5121.3	4145.5	4321.1
दिल्ली	क्यू	0	766	1083	1294	609
	वी	0	39	63.61	79.84	40.52
अन्य**	क्यू	0	2507	8536	10058	5299
	वी	0	35.64	111.47	118.46	79.54
कुल	क्यू	1149510	1369264	1735286	1781602	1698170
	वी	43721	57586	63969	60524	62408

स्रोत: MPEDA

**अन्य में अंडमान निकोबार द्वीप समूह, असम, बिहार, दमन और दीव, पुदुच्चेरी, उत्तर प्रदेश और झारखंड शामिल हैं

अनुबंध II

समुद्री खाद्य निर्यात के संबंध में 10 मार्च, 2026 को उत्तर दिए जाने के सिए माननीय सांसद सुश्री कु. सुधा आर द्वारा पूछे गए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या के भाग (क और ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

समुद्री उत्पादों का बाज़ार-वार निर्यात						
क्यू: मात्रा MT में, वी: मूल्य करोड़ रुपए में						
बाज़ार	**यूनिट**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
जापान	क्यू:	86814	90308	109199	107968	102933
	वी:	3033.4	3242.9	3846.9	3279.4	3452.9
यूएसए	क्यू:	291948	372611	306334	329192	346868
	वी:	17990	24603	20600	20892	22723
यूरोपीय संघ	क्यू:	152770	198484	207976	192505	215080
	वी:	6022.8	8570.1	10018	8461.6	9429.6
चीन	क्यू:	218343	266989	405547	457215	396424
	वी:	6908.6	9056.7	11957	11853	10668
दक्षिण पूर्व एशिया	क्यू:	217710	243401	431774	378630	347541
	वी:	4876.1	5748	9494	7907.3	8172.2
मध्य पूर्व	क्यू:	48606	58426	77677	75046	65956
	वी:	1843.4	2235.5	2623.1	2238.8	2328.5
अन्य	क्यू:	133319	139045	196780	241045	223369
	वी:	3046.3	4130	5429.5	5891.4	5634.8
कुल	क्यू:	**1149510**	**1369264**	**1735286**	**1781602**	**1698170**
	वी:	**43721**	**57586**	**63969**	**60524**	**62408**

स्रोत: MPEDA

****